>

Title: Need to review the functioning of Directorate of Weed Science Research, Jabalpur, Madhya Pradesh.

**श्री राकेश सिंह (जबलपुर):** महोदया, मैं आपके माध्यम से देश में खरपतवार गाजर घास के लगातार पड़ढैल रहे प्रकोप और उससे होने वाले नुकसान की ओर सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ। देश में इस समय लगभग 3.5 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्रपड़ढल के बराबर भूमि में ऐसी गाजरघास का जाल बिछा हुआ है वहीं देश का एकमात्र खरपतवार विज्ञान अनुसंधान निदेशालय जो मेरे लोकसभा क्षेत्र जबलपुर में ही स्थित हैं, खरपतवार के उन्मूलन एवं उससे कृषि एवं मानवजीवन पर पड़ने वाले दुप्रभावों के बारे में अनुसंधान करता है। विगत 20 वर्षों में इस अनुसंधान केन्द्र ने खरपतवार के उन्मूलन पर करोड़ों रूपये खर्च किए है, इसके बावजूद भी देश की तो छेंड़िये इस केन्द्र के आस-पास के इलाके तक में खरपतवार को समाप्त नहीं किया जा सका है। कुछ समय पूर्व विदेश से एक विशेष कीट गाजरघास के उन्मूलन के लिए मंगाया गया था। लेकिन इतने वर्षों के बाद भी हम आज तक फसली व गैर-फसली खरपतवारों को समापत नहीं कर पाये हैं जबकि इसके कारण हमारी फसलों की पैदावार तो प्रभावित हो ही रही है मान जीवन पर भी अनेक गंभीर बीमारियों का ख्तरा बना रहता है।

अतः माननीय मंत्री जी से मेरा आग्रह है कि इस अनुसंधान केन्द्र की कार्यप्रणाली पर गौर करें तथ खरपतवार उन्मूलन पर किये जा रहे व्यय तथा उससे प्रापत परिणामें का तुलनात्मक अध्ययन कर सुधार की कार्रवाई करेंगे।